पंजाब केसरी 19/01/2025

जी.एम.एन. कालेज के विद्यार्थियों ने पढ़ा संविधान का प्रस्तावना

भारतीय संविधान देश का सर्वोच्च कानूनी दस्तावेज : डा. रोहित दत्त

अम्बाला, 18 जनवरी (बलराम): छावनी स्थित जी.एम.एन. कॉलेज की एन.एस.एस. एवं एन.सी.सी. इकाइयों के सहयोग से राजनीति विज्ञान विभाग ने 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' के तहत प्रस्तावना पढ़ने की गतिविधि का आयोजन किया। लगभग 100 स्वयंसेवकों और कैडेटों ने प्रस्तावना पढ़ने की गतिविधि में भाग लिया। विद्यार्थियों को प्रस्तावना और भारत के संविधान के लिए इसके महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

अपने संदेश में प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने छात्रों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना और इसके महत्व के बारे में बताया कि संविधान भारत का सर्वोच्च कानूनी दस्तावेज है। यह संविधान के मार्गदर्शक सिद्धांतों और आकांक्षाओं को स्थापित करता है। यह संविधान की दिशा और उद्देश्य भी प्रदान करता है।

यह दस्तावेज उस रूपरेखा को स्थापित करता है जो मौलिक राजनीतिक संहिता, संरचना, प्रक्रियाओं, शक्तियों एवं सरकारी संस्थाओं के कर्तव्यों को सीमांकित करता है और मौलिक अधिकारों, निर्देशक सिद्धांतों एवं नागरिकों के कर्त्तव्यों को निर्धारित करता है। भारत के संविधान की प्रस्तावना एक संक्षिप्त परिचयात्मक कथन है जो दस्तावेज के मार्गदर्शक उद्देश्य और सिद्धांतों को निर्धारित करता है।

'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' के तहत संविधान की प्रस्तावना पढ़ते जी.एम.एन. कॉलेज के विद्यार्थी। (देवदत्त)

इस दौरान प्रस्तावना पढ़ने का लिंक भी वैबसाइट पर उपलब्ध कराया गया था। कोई भी भारत की किसी भी आधिकारिक भाषा में प्रस्तावना पढ़ सकता है। इसी तरह लिंक सभी के लिए सुलभ था। पढ़ने के बाद स्वयंसेवक अपना विवरण दर्ज करके प्रमाण पत्र बना सकते थे। भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्वयंसेवकों को उनके लिए प्रदान किए गए गूगल ड्राइव लिंक के माध्यम से अपने प्रमाण पत्र अपलोड करने के लिए कहा गया था। स्वयंसेवकों को प्रस्तावना पढ़ते समय अपनी तस्वीरें क्लिक करने और उसी ड्राइव लिंक में अपलोड करने के लिए भी कहा गया था। स्वयंसेवकों ने उत्साह के साथ भाग लेकर इसे सफल बनाया। छात्रों के अलावा विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों ने भी इस गतिविधि में भाग लिया।